Commission for Regulation and Development of Information Technology Industry Bill, 2024 (Introduced)

माननीय अध्यक्ष **:** आइटम नं. 58, श्री सी**.** एन**.** अन्नादुरई ।

SHRI C. N. ANNADURAI (TIRUVANNAMALAI): Sir, I beg to move:

?that the Bill seeking to provide for the setting up of a Commission to regulate and promote the development of Information Technology industry in the country and for matters connected therewith or incidental thereto be taken into consideration.?

16.00 hrs

The Commission shall consist of a Chairperson and four other members to be appointed by the Union Government having such qualifications as may be prescribed.

Information technology is the gateway of all future developments, be it education, healthcare, agriculture, sports, bio-diversity, safety and security etc. The Tamil Nadu Government is taking care to enrich capacity building in Information Technology each year and spread awareness in e-governance and mobile-governance. It will open opportunities for employment generation for scientists, techno-experts and other managerial jobs. All socio-economic development growth and civilizational march will depend upon direction of information technology based on Artificial Intelligence.

The Commission shall take appropriate steps to set up information technology parks in cities with population of more than one million and in cities having potential for development of information technology parks. Information technology industry is one the fastest growing industries of the country. There is tremendous potential for further growth of this industry, Therefore, we require more investment. The Chief Minister of Tamil Nadu is making all-out efforts for attracting and encouraging more investment in the IT industry in Tamil Nadu. This industry can prove to be a major source of revenue for the Government. There is huge scope to tap the growth potential of the information technology industry. It is also proposed that a national policy on information technology be formulated. This

Bill will pave the way for socio-economic development of various States of the country, especially the developing States including the State of Tamil Nadu.

I take this opportunity to announce that our hon. Chief Minister of Tamil Nadu aims to make the State a trillion-dollar economy and global human capital hub through IT industry. The Tamil Nadu Government is already fostering entrepreneurship related to IT and establishing IT parks in the State.

Thank you.

माननीय अध्यक्ष **:** प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ :

?कि देश में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के विकास का विनियमन और संवर्धन करने के लिए आयोग की स्थापना करने तथा उससे संसक्त या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक पर विचार किया जाए ।?

डॉ. निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं, सी.एन. अन्नादुरई साहब द्वारा लाए गए बिल के ऊपर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ ।

सर, यह बिल देखने में तो बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इस बिल में उन्होंने अपनी जो आशंका जाहिर की है, उस आशंका के मूल में वह बात नहीं है । बिल में उन्होंने एक आशंका जाहिर की, जिसके लिए उन्होंने एक रेमेडी दी । वे कह रहे हैं कि पूरी दुनिया में जिस तरह से विकास हो रहा है, उसमें अगर कोई इंडस्ट्री बढ़ने वाली है तो वह आई.टी. इंडस्ट्री है ।

अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं पूरे देश को और खासकर इस सदन को बताना चाहता हूँ कि किसी पॉलिटिकल पार्टी की जो लीडरशिप होती है, वह 50 साल, 100 साल के बारे में सोचती है, जो कि आज हमारे माननीय प्रधान मंत्री मोदी जी सोचते हैं और उनके नेतृत्व में देश बढ़ रहा है और वर्ष 2047 तक ?विकसित भारत? का उनका संकल्प पूरा हो रहा है । पूरी दुनिया जानती थी कि आई.टी. इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाली है । इस पार्लियामेंट में बड़ी चर्चा होती है कि ?ब्रेन ड्रेन? हो गया, कितने लोग विदेश चले गए, कितने लोग यहां आ गए, कितने बच्चे पढ़ते हैं । अमेरिका की पूरी सिलिकॉन वैली को भारतीय मूल के लोग कंट्रोल करते थे । वहां भारत का पूरा दबदबा था । हम खुश होते थे कि भारत की आई.आई.टी. से पढ़े हुए लोग, हमारे पैसों से पढ़े हुए लोग, भारत में सुविधा नहीं मिलने के कारण अमेरिका चले गए और वे वहां बड़ा नाम कर रहे हैं, बड़ी कम्पनी बना रहे हैं । लेकिन, उसके बावजूद भी तत्कालीन भारत सरकार ने, अगर ऑपोजीशन पार्टी का नाम लूंगा तो उन्हें बड़ा गुस्सा आएगा, लेकिन मैं ?तत्कालीन भारत सरकार? कह रहा हूँ , क्योंकि मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता, उन्होंने कभी भी इसके बारे में सोचने का प्रयास नहीं किया ।

अध्यक्ष जी, और तो और आपको जान कर बड़ा आश्चर्य होगा कि वर्ष 1996 में डब्ल्यूटीओ में हमने एक एग्रीमेंट साइन कर लिया । इस देश के बहुत बड़े अर्थशास्त्री हुए, उन्होंने इस देश को बहुत कुछ दिया और उसके कारण जो देश की समस्या है, आज जो बेरोज़गारी नज़र आ रही है, आज कानून में, पीएमएलए से ले कर, वह केवल और केवल चिदंबरम साहब की देन है । वे डब्ल्यूटीओ में गए और उन्होंने साइन कर दिया कि जितने भी

इलेक्ट्रॉनिक्स सामान हैं, आईटी के सामान हैं, कंप्यूटर्स हैं, सॉफ्टवेयर है, हार्डवेयर है, उनमें ज़ीरो ड्यूटी लगेगी । उसके कारण हमारे खिलौने का पूरा का पूरा उद्योग खत्म हो गया, आईटी की पूरी इंडस्ट्री खत्म हो गई, मोबाइल की पूरी इंडस्ट्री खत्म हो गई । साथ ही, वर्ष 1996 के पहले भारत जो एक्सपोर्ट करता था, वह एक्सपोर्ट पूरा का पूरा बंद हो गया और पूरा का पूरा भारत चाइनीज़ मार्केट बन गया । वर्ष 1996 में उस एग्रीमेंट को साइन करने के कारण आज भी भारत सरकार, माननीय प्रधान मंत्री जी जब से प्रधान मंत्री बने हैं, वर्ष 2014 से हमारी सरकार वर्ष 2024 तक जूझ रही है कि उस एग्रीमेंट को बायपास करते हुए हम अपने यहां की इंडस्ट्री को, अपने यहां के ब्रेन को, हमारे यहां की टैक्नोलॉजी को, हमारे यहां के जो लड़के पढ़े-लिखे हैं, उनको हम किस तरह से आगे बढ़ा सकें । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** सकारात्मक कर सकें ।

? (व्यवधान)

डॉ**.** निशिकान्त दुबे**:** सर, सकारात्मक कैसे होगा, जब ?रोपा पेड़ बबूल का तो आम कहां से होए?? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आज आप सकारात्मक बोल लो, बाकी फिर कभी और बोल लेना

? (व्यवधान)

डॉ**.** निशिकान्त दुबे**:** अध्यक्ष महोदय इसीलिए मैं कह रहा हूँ कि आज स्टार्ट अप के नाते, स्टैंड अप के नाते, पीएलआई स्कीम के नाते और सबसे बड़ा जो सवाल है, एसटीपीआई के नाते, सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया जो बना है, वह छोटी-छोटी जगहों पर बना है । क्योंकि जो टैलेंट है, वह वहीं ज्यादा है । चाहे भारत में खेल का टैलेंट हो, अन्य क्षेत्रों में योग्यता, क्षमता का टैलेंट हो, चाहे इस पार्लियामेंट में आने वाले लोगों का टैलेंट हो, आप जानते हैं कि हम और आप भी छोटी जगह से आ कर, आप लोक सभा अध्यक्ष हैं और मैं चौथी बार यहां सांसद हूँ और पार्टी मुझे इतना मौका देती है, तो जो छोटी जगहों के लोग हैं, उनके लिए भारत सरकार ने एक बड़ा अच्छा सेटअप किया, जिसका नाम एसटीपीआई है । ? (व्यवधान) मैं गोड्डा लोक सभा क्षेत्र से आता हूँ, जो कि एसप्रेशनल जिला है, वहां भी एसटीपीआई की यूनिट है । मेरे यहां बोकारो एक छोटी सी जगह है, वहां भी एसटीपीआई की यूनिट है । ? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, चूंकि अब माननीय प्रधान मंत्री जी आ गए हैं तो मैं अगली बार बोलूंगा । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ठीक है, हम आपको अगले सत्र में बोलने का मौका देंगे ।

16.09 hrs